नैनो-फ़र्टिलाइज़र कृषि में नैनोटेक्नोलॉजी के प्रयोग पर अई. सी. ए. आर. पटना मे वेबिनार सम्पन्न

भारत में हरित क्रांति की नीव रासायनिक खाद के चलते रखी गयी थी। वर्तमान समय में किसानों द्वारा अंधाधुंध उर्वरकों का प्रयोग किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप लाभ मे कमी होती जा रही है ,फसल पैदावार और उत्पादन ला भ दोनों मे वृद्धि के दृष्टिकोण से कृषि में युक्तिपूर्ण एवं संतुलित उर्वर को का उपयोग अतिआवश्यक है। नैनोटेक्नोलाजी का उपयोग कर बने नैनो-फ़र्टिलाइज़र का अविष्कार इस दिशा में बहुत बड़ा कदम है।

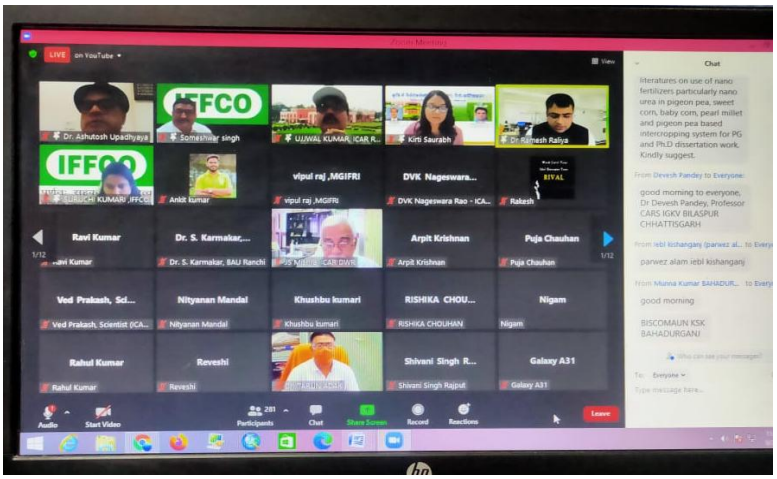

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर , पटना एवं इंडियन फार्मर्स फ़र्टिलाइज़र कोआपरेटिव लिमिटेड, पटना, बिहार द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय नेशनल वेबिनार का आयोजन दिनांक 23 सितम्बर 2021 को कराया गयाजिसका विषय था "कृषि में नैनोटेक्नोलॉजी का उपयोग : नैनो-फ़र्टिलाइज़र"।

कार्यक्रम का प्रसारण ज़ूम अथवा यूट्यूब पर किया गया एवं 1700 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर इसका लाभ उठाया।जिसका उद्देश्य देश भर के किसानों, वैज्ञानिकों एवं छात्रों को इफको द्वारा लांच किये गए नैनो- फ़र्टिलाइज़र के उपयोग, कार्य विधि एवं विभिन्न फसलों के उत्पादन में इनके प्रयोग के महत्व को बताना था। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक डॉ उज्जवल कुमार , संयोजक डॉ आशुतोष उपाध्याय एवं डॉ

अनिल कुमार सिंह , आयोजन सचिव डॉ कीर्ति सौरभ एवं श्री सोमेश्वर सिंह थे। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ आशुतोष उपाध्याय ने कृषि में उत्पादन वृद्धि की लिए उत्तरदायी कारकों के बारे में चर्चा की तथा बताया की किस तरह पोषक तत्व एवं जल प्रबंधन करना किसानों की लिए लाभप्रद हो सकता है। डॉ उज्जवल कुमार ने नैनो-फ़र्टिलाइज़र (नैनो-यूरिया, DAP, कॉपर एवं जिंक) के कुशल प्रबंधन पर प्रकाश डाला। बिहार इफको के राज्य विपणन प्रबंधक श्री सोमेश्वर सिंह ने क्षेत्र में यूरिया नैनो फ़र्टिलाइज़र के प्रयोग पर बल दिया। डॉ रलिया (महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष (R&D), इफको , नैनो बायोटेक्नोलौजी रिसर्च सेंटर) इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रहे , उन्होंने बहुत ही सहज तरीके से पौधों में नैनो-फ़र्टिलाइज़र के अवशोषण एवं क्रियाविधि के बारे में जानकारी दी तथा यह भी बताया की इसके उपयोग से पर्यावरण एवं लाभकारी सूक्ष्म जीवों एवं कीटों पर इस फ़र्टिलाइज़र का कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता। कार्यक्रम का समापन भाषण डॉ उज्जवल कुमार एवं डॉ जे एस मिश्रा ने दिया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री सुरुची कुमारी के द्वारा दिया गया ।